॥ श्री शिव स्वर्णमाला स्तुति ॥

ईशगिरीश नरेश परेश महेश बिलेशय भूषण भो।
साम्ब सदाशिव शम्भो शङ्कर शरणं मे तव चरणयुगम् ॥ १॥
उमया दिव्य सुमङ्गल विग्रह यालिङ्गित वामाङ्गविभो।
साम्ब सदाशिव शम्भो शङ्कर शरणं मे तव चरणयुगम् ॥ २॥
ऊरी कुरु मामज्ञमनाथं दूरी कुरु मे दुरितं भो।
साम्ब सदाशिव शम्भो शङ्कर शरणं मे तव चरणयुगम् ॥ ३॥
ऋषिवर मानस हंस चराचर जनन स्थिति लय कारण भो।
साम्ब सदाशिव शम्भो शङ्कर शरणं मे तव चरणयुगम् ॥ ४॥
अन्तः करण विशुद्धिं भक्तिं च त्वयि सतीं प्रदेहि विभो।
साम्ब सदाशिव शम्भो शङ्कर शरणं मे तव चरणयुगम् ॥ ५॥
करुणा वरुणा लय मयिदास उदासस्तवोचितो न हि भो।
साम्ब सदाशिव शम्भो शङ्कर शरणं मे तव चरणयुगम् ॥ ६॥
जय कैलास निवास प्रमाथ गणाधीश भू सुरार्चित भो।
साम्ब सदाशिव शम्भो शङ्कर शरणं मे तव चरणयुगम् ॥ ७॥
झनुतक झङ्किणु झनुतत्किट तक शब्दैर्नटसि महानटभो।
साम्ब सदाशिव शम्भो शङ्कर शरणं मे तव चरणयुगम् ॥ ८॥
धर्मस्थापन दक्ष त्यक्ष गुरो दक्ष यज्ञशिक्षकभो।
साम्ब सदाशिव शम्भो शङ्कर शरणं मे तव चरणयुगम् ॥ ९॥
बलमारोग्यं चायुस्त्वद्गुण रुचितं चिरं प्रदेहिविभो।
साम्ब सदाशिव शम्भो शङ्कर शरणं मे तव चरणयुगम् ॥ १०॥
शर्व देव सर्वोत्तम सर्वद दुर्वृत्त गर्वहरणविभो।
साम्ब सदाशिव शम्भो शङ्कर शरणं मे तव चरणयुगम् ॥ ११॥
भगवन् भर्ग भयापह भूत पते भूतिभूषिताङ्ग विभो।
साम्ब सदाशिव शम्भो शङ्कर शरणं मे तव चरणयुगम् ॥ १२॥
षड्रिपु षड्भूर्मि षड्विकार हर सन्मुख षण्मुख जनकविभो।
साम्ब सदाशिव शम्भो शङ्कर शरणं मे तव चरणयुगम् ॥ १३॥
सत्यं ज्ञानमनन्तं ब्रह्मे त्येल्लक्षण लक्षितभो।
साम्ब सदाशिव शम्भो शङ्कर शरणं मे तव चरणयुगम् ॥ १४॥
हाऽहाऽहूऽहू मुख सुरगायक गीता पदान पद्य विभो।
साम्ब सदाशिव शम्भो शङ्कर शरणं मे तव चरणयुगम् ॥ १५॥
॥ श्री शङ्कराचार्य कृतं! ॥

वैदिक जीवन™
Sanatan Online Store
www.vaidikjeevn.com
Ver 1.0.0
7706011555
www.vaidikjeevn.com